सत्यमेव जयते
त्रिलोचन महापात्र, पीएच.डी.
सचिव, एवं महानिदेशक
TRILOCHAN MOHAPATRA, Ph.D.
SECRETARY & DIRECTOR GENERAL

भारत सरकार
कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग एवं
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली 110 001
GOVERNMENT OF INDIA
DEPARTMENT OF AGRICULTURAL RESEARCH & EDUCATION
AND
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
MINISTRY OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE
KRISHI BHAVAN, NEW DELHI 110 001
Tel.: 23382629; 23386711 Fax: 91-11-23384773
E-mail: dg.icar@nic.in

अपील

देश की विभिन्न भाषाएँ एवं संस्कृतियाँ हमारी विरासत हैं और वास्तविक ताकत भी। हम सभी जानते हैं कि भारतीय सभ्यता, संस्कृति, साहित्य एवं दर्शन के गौरवपूर्ण इतिहास की भाषा, देश के सर्वाधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा हिन्दी है। हिन्दी भाषा के व्यापक स्वरूप एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए हमारी संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को हिन्दी को राजभाषा के रूप में अंगीकार किया था। इस दिन को हम हिन्दी दिवस के रूप में मनाते हैं।

हिन्दी एक उन्नत, समृद्ध और वैज्ञानिक भाषा है, इसमें जैसा बोला जाता है वैसे ही लिखा जाता है। सरकारी कार्यों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने के लिए यह आवश्यक है कि हिन्दी को मूल चिंतन प्रक्रिया का माध्यम बनाया जाए। वर्तमान दौर में कम्प्यूटर, इलेक्ट्रोनिक उपकरण एवं अन्य सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से भाषा का जनमानस तक जुड़ाव ज्यादा सुलभ हो चुका है। ई- टूल्स के माध्यम से सरकारी कामकाज मूल रूप से हिन्दी में करना बहुत सरल और सहज है। तकनीकी कुशलता, समुचित ज्ञान और निज भाषा के स्वाभिमान से हिन्दी में कार्य करने की दिशा में तीव्रता और वृद्धि लाई जा सकती है। राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने और कार्यालय स्तर पर हिन्दी में लेखन को प्रोत्साहित एवं प्रेरित करने में हिन्दी गृह- पत्रिकाओं का भी विशेष महत्व है। मुझे खुशी है कि हमारे संस्थानों द्वारा इस दिशा में सराहनीय प्रयास किया जा रहा है और उन्हें पुरस्कृत भी किया जा रहा है।

भारत एक कृषि प्रधान देश है एवं कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और आज भी देश की अधिकांश जनसंख्या आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। हिन्दी के सरल एवं सहज प्रयोग के माध्यम से अनुसंधान प्रौद्योगिकियों, योजनाओं और कार्यक्रमों को हिन्दी भाषा में उपलब्ध करा कर आमजन को ज्यादा लाभान्वित किया जा सकता है। मैं मानता हूँ कि राजभाषा के संवैधानिक और विधिक दायित्वों का निर्वहन सरकारी कामकाज में प्रेरणादायक वातावरण के सृजन के साथ हिन्दी के अधिकतम प्रयोग से ही संभव है। हिन्दी दिवस के इस अवसर पर मैं परिषद मुख्यालय एवं समस्त संस्थानों के सभी कार्मिकों से अपने सरकारी कामकाज में सरल हिन्दी का प्रयोग करने का आह्वान करता हूँ।

हिन्दी दिवस से संबंधित सभी कार्यक्रमों को कोविड -19 महामारी को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों का अनुपालन करते हुए आयोजित किया जाए। मैं परिषद एवं अधीनस्थ संस्थानों में इस अवसर पर आयोजित किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों के सफल आयोजन की कामना करता हूँ।

त्रि. महापात्र
(त्रिलोचन महापात्र) 17/08/21

कृषि भवन, नई दिल्ली